हिमाचल प्रदेश वन पारितंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना

जापान सरकार (JICA) द्वारा वित् पोषित परियोजना

आय सृजन गतिविधि

व्यवसाय योजना

पारम्परिक फसल ,कोदरा)कंगनी एवं स्वांक की खेती एवं मूल्यवर्धन (-2024)

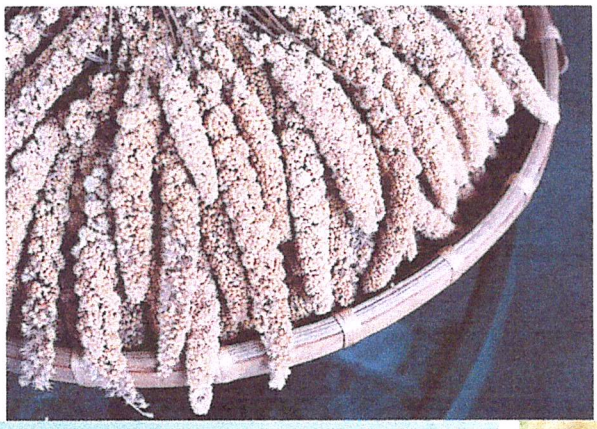
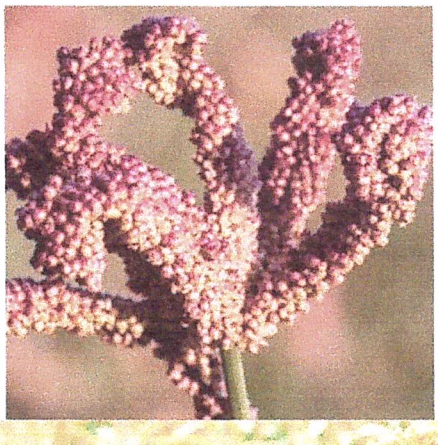

नारी शक्ति स्वयं सहायता समूह वीएफडीएस - डुहकी

स्वयं सहायता समूह का नाम	: :	नारी शक्ति समूह
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	: :	डुहकी
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	: :	कटौला
डीएमयू वन मंडल का नाम/	: :	मंडी
एफसीसीयू सर्कल /	: :	मंडी।

हि प्र व पा त प्र और आ सु प जाईका के द्वारा प्रायोजित	द्वारा तैयार-: डीएमयू मंडी, एफटीयू कटौला और नारी शक्ति स्वयं सहायता समूह

विषयसूची

क्रम संख्या	विवरण	पेज/एस
1	परिचय	3
2	गांव का भौगोलिक विवरण	7
3	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
4	उत्पादन प्रक्रियाएं।	7
5	उत्पादन योजना का विवरण	8
6	मार्केटिंग/बिक्री का विवरण	9
7	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	9
8	स्वोट अनालिसिस	10
9	संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय।	1 1
10	वित्तीय अनुमान	11-15
1 1	आर्थिक विवरण	16
12	लाभ लागत विश्लेषण	17
13	टिप्पणि	18
	एसएचजी के साथ बातचीत के दौरान तस्वीरों की झलक	19

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों)MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर(, ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तरउत्तर पूर्व-, पूर्व में सीमाबद्ध हैं ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं ।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी ,चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

डुहकी वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, नारी शक्ति स्वयं सहायता समुह " "पारम्परिक फसल कोदरा), कांगनी, शौंख, एवं तिल की खेती एवं मूल्यवर्धन(और इसका मूल्यवर्धन से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिकआर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए-, उन्होंने पारम्परिक फसलों ~~फसल~~ का उत्पादन करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज सूद, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ कविता शर्मा और डीएस यादव, कृषि विज्ञानं केन्द्र मंडी स्थित सुंदर नगर द्वारा प्रदान किए गए थे। दल जिसमें जितेन शर्मा, विषय विशेषज्ञ , कार्यालय वनमंडल मंडी, प्रोमिला ठाकुर, फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर कटौला परिक्षेत्र, श्री अंकित रावत वन रक्षक ,घ्राण बीट और और श्री रमेश चंद, वनखंड अधिकारी, वन खंड कटौला शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

डुहकी वन ग्रामीण विकास समिति-:

डुहकी वन ग्रामीण विकास समिति नवलाय राजस्व मुहाल में व्यवस्थित है। इस वन ग्रामीण विकास समिति का गठन ग्राम पंचायत नवलाय में डुहकी किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के कटौलाब्लॉक में स्थित है डुहकी वन ग्रामीण विकास समिति मंडी वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के कटौला वन परिक्षेत्र के तहत सदर वन खण्ड के कटौला- नेरी निशु - बीट के

अंतर्गत आता है

परिवारों की संख्या	103
बीपीएल परिवार	13
कुल जनसंख्या	455
कुल मवेशी	322

नारी शक्ति स्वयं सहायता समुह का विवरण

नारी शक्ति स्वयं सहायता समुह का गठन 2021 में डुहकी वन ग्रामीण विकास समिति के अन्तर्गत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।

नारी शक्ति स्वयं सहायता समुह महिला समूह)9 महिलायें है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय (कमजोर वर्ग के सदस्य शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने पारम्परिक फसल कोदरा), कांगनी, शौंख, एवं तिल की खेती एवं मूल्यवर्धन करने का फैसला किया। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 9 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100 /- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है.-:

...ता के साथ एसएचजी सदस्यों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पति	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1	श्रीमती सपना	गोपाल	प्रधान	SC	20	9	90153-36028
2	मीना कुमारी	रमेश कुमार	सचिव	"	29	7	78766-73953
3	पार्वती देवी	नेगी राम	"	"	40	4	82197-71762
4	कृष्णा	~~कृष्ण~~ सुन्दर सिंह	"	"	36	—	78764-02583
5	रीना	मस्त राम	"	"	28	-2	80912-21552
6	कृष्णा	दिल्लू राम	"	"	44	—	78766-73953
7	अनुराधा	रविन्द्र	"	"	18	+2	82195-14453
8	~~कृष्णा~~ चिन्ता देवी	परमा नन्द	"	"	—	—	98053-21781
9	~~चिन्ता देवी~~ तारी देवी	शान्त चंन्द	"	"	43	—	90153-36028

Sapna

प्रधान [redacted] कोषाध्यक्ष
वन विकास समिति डुहकी
जाईका प्रोजेक्ट मण्डी (हि.प्र.)

मीना कुमारी

प्रधान Sapna सचिव
नारी शक्ति S.H.G. डुहकी
डा. कमान्द, त. सदर मण्डी (हि.प्र.)

1.श्रीमती सपना अध्यक्ष

2. श्रीमती मीना कुमारी सचिव

3..श्रीमती पार्वती देवी (सदस्य)

4. श्रीमती चिंता देवी (सदस्य)

5. श्रीमती तारी देवी(सदस्य)

6.श्रीमती कृष्णा देवी (सदस्य

7.श्रीमती रीना देवी(सदस्य)

8.श्रीमती अनुराधा (सदस्य)

एसएचजी नारी शक्ति एसएचजी की वित्तीय स्थिति

स्वयं सहायता समूह का नाम	::	नारी शक्ति एसएचजी
एसएचजीसीआईजी एमआईएस कोड / संख्या	::	पारम्परिक फसल कोदरा), कांगनी, शौंख, एवं तिल की खेती एवं मूल्यवर्धन
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	::	डुहकी
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	::	कटौला
डीएमयूवन मंडल का नाम/	::	मंडी
गांव	::	डुहकी
खंड	::	सदर
ज़िला	::	मंडी
स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	::	09
गठन की तिथि	::	-2021
बैंक का नाम और विवरण	::	हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक कटौला
बैंक खाता संख्या	::	87421300076881
एसएचजीमासिक बचत/	::	रु.100/- प्रति माह
कुल बचत	::	18342 रु/-
कुल अंतरऋण-	::	5000रु /-
नकद ऋण सीमा	::	5000 रु /-
चुकौती स्थिति		100%

नोट:- इन कुल 09 स्वयं सहयता समूह सदस्यौं में से केवल 08 सदस्य ही वर्तमान में पारम्परिक फसल कोदरा), कांगनी, शौंख, एवं तिल की खेती एवं मूल्यवर्धन उत्पादन गतिविधि में भाग लेंगी अन्य महिलायें इस गतिविधि में भाग ले सकती हैं।

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	25 किमी
मेन रोड से दूर	: :	0 किमी
स्थानीय बाजार से दुरी	:	कमांद 7 किमी ,कटौला 15 किमी
मुख्य शहरों से दुरी	: :	पंडोह28-किमी,कटौला-15किमी,मंडी-25 किमी
प्रमुख शहरों के नाम उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	पंडोह28 किमी, मंडी 25 किमी
संपर्क के लिए स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र [illegible] (और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में (बागवानी विभाग) निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	पारम्परिक फसल कोदरा), कांगनी, शौंख, एवं तिल की खेती एवं मूल्यवर्धन
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि कृषक समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए जालपा कृषक समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि पारम्परिक फसल कोदरा), कांगनी, शौंख, एवं तिल की खेती एवं मूल्यवर्धन(से उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी /सीआईजी/समूह/ महिला मण्डल की सहमति	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	ये सभी वार्षिक फसलें है
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी पुरुष ।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार /मुख्य बाजार / स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार मुख्य बाजार /
प्रति वर्ष अपेक्षित फसल	::	किलो प्रति बीघा 80-50

विपणन बिक्री का विवरण/

संभावित बाजार स्थान स्थान /	:: ::	कमांद , कटौला ,पंडोह , मंडी अन्तर्निहित गांव – आसपास के संस्थान- - स्कूल, कॉलेज आदि
उत्पाद की मांग	::	पूरे साल उच्च मांग रहती है
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	नारी शक्ति एसएचजी समूह के सदस्य आस पास के-स्थानीय बाज़ार से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस पास के-बाज़ारों से आदेश /समूह/व्यक्तिगत स्तर)कृषक संस्थानों के स्तर लेंगे। (

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से कृषक समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी निजी भूमि में पारम्परिक फसल की खेती में अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी सहभागिता और श्रम के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व(अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे-
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत एवं आवर्ती लागत			
विवरण कोदरा	मात्रा	दर	मूल्य) रु(.
बीज (Kg)	15	150	2250
खाद (t)	5	800	4000
खाद 12:32:16 (kg)	62.5	30	1875
यूरिया (Kg)	50	7	350
कुल पूंजीगत लागत			8475

आवर्ती लागत			
बुवाई (कार्यदिवस)	20	500	10000
इंटरकल्चर ऑपरेशन (कार्यदिवस)	5	500	2500
कटाई एवं मंड़ाई (कार्यदिवस)	15	500	7500
कुल आवर्ती लागत			20000
कुल लागत= पूंजीगत+ आवर्ती (8475+20000)			28475

उत्पादन			
विवरण	इकाई क्विंटलहै/	बिक्री दर	कुल राशि (.रु)
कोदरा	6.5	7000	45500

लाभ			
विवरण	कुल आय	लागत	लाभ
कोदरा	45500	28475	17025

पूंजी लागत एवं आवर्ती लागत			
विवरण स्वांक	मात्रा	दर	मूल्य) रु(.
बीज (Kg)	15	150	2250
खाद (t)	5	800	4000
खाद 12:32:16 (kg)	62.5	30	1875
यूरिया (Kg)	50	7	350
कुल पूंजीगत लागत			8475
आवर्ती लागत			
बुवाई (कार्यदिवस)	20	500	10000
इंटरकल्चर ऑपरेशन (कार्यदिवस)	5	500	2500
कटाई एवं मंड़ाई (कार्यदिवस)	15	500	7500
कुल आवर्ती लागत			20000
कुल लागत= पूंजीगत+ आवर्ती (8475+20000)			28475

उत्पादन			
विवरण	इकाई क्विंटलहै/	बिक्री दर	कुल राशि (.रु)
स्वांक	5	8000	40000

लाभ			
विवरण	कुल आय	लागत	लाभ
स्वांक	40000	28475	11525

पूंजी लागत			
विवरण कंगनी	मात्रा	दर	मूल्य) रु(.
बीज (Kg)	20	200	4000
खाद (t)	5	800	4000
खाद 12:32:16 (kg)	62.5	30	1875
यूरिया (Kg)	50	7	350
कुल पूंजीगत लागत			10225
आवर्ती लागत			
बुवाई (कार्यदिवस)	20	500	10000
इंटरकल्चर ऑपरेशन (कार्यदिवस)	5	500	2500
कटाई एवं मंड़ाई (कार्यदिवस)	15	500	7500
कुल आवर्ती लागत			20000
कुल लागत= पूंजीगत+ आवर्ती (10225+20000)			30225

उत्पादन			
विवरण	इकाई क्विंटलहै/	बिक्री दर	कुल राशि (.रु)
कंगनी	4.5	12000	54000

लाभ			
विवरण	कुल आय	लागत	लाभ
कंगनी	54000	30225	23775

कुल आय	
विवरण	राशि (.रु)
कुल आवर्ती लागत कोदरा=20000 स्वांक=20000 कंगनी =20000	60000
कुल पूंजीगत लागत कोदरा=8475 स्वांक=8475 कंगनी =10225	27175
कुल बिक्रय कोदरा=45500 स्वांक=40000 कंगनी =54000	139500
कुल लाभ)139500-60000-27175)	52325

आय और व्यय का विश्लेषण (वार्षिक:(

विवरण	राशि (.रु)
कुल आवर्ती लागत	60000
प्रति वर्ष कुल उत्पादन	139500
शुद्ध लाभ)139500-87175)	52325
आय और व्यय का अनुपात)139500/87175)	जो काफी लाभदायक है 1.60
शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ मासिकवार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच / समान रूप से वितरित किया जाएगा। • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् की आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (.रु)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	27175	20381	6794
कुल आवर्ती लागत	60000	0	60000
प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	137175	70381	66794

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत** - परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75% हिस्सा होगा
- **आवर्ती लागत** - एसएचजीसीआईजी द्वारा वहन किया जाना।/
- **प्रशिक्षण- कौशल उन्नयन/क्षमता निर्माण/** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	• पूंजीगत लागत का 75% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण क्षमता/निर्माणकौशल / उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयूएफसीसीयू / द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।

स्वयं सहायता समूह/ महिला मण्डल योगदान	· पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी/ महिला मण्डल द्वारा वहन किया जाएगा। · स्वयं सहायता समूह/ महिला मण्डल द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षणकौशल उन्नयन/क्षमता निर्माण/

प्रशिक्षण कौशल उन्नयन/क्षमता निर्माण/लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण:आवश्यक हैं/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/निर्माण क्षमता/

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह /महिला मण्डल को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत =27175/-

आवर्ती लागत =60000/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल =87175/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 87175/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	पारम्परिक फसल (कोदरा, कंगनी एवं स्वांक की खेती एवं मूल्यवर्धन)	27175	60000	20381/-	66794/-	87175
	कुल	27175	60000	20381/-	66794/-	87175

अनुलग्नक-1

हम सभी समूह के सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमत है तथा पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार जेआईसीए परियोजना और डुहकी [illegible] के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (पारम्परिक फसलों की खेती) की गतिविधियों को चुना गया।

समूह के सदस्यों का विवरण:-

क्र.सं.	नाम	पति	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	हस्ताक्षर
1.	श्रीमति सपना	गोपाल	प्रधान	SC	20	9	Sapna
2.	" मीना कुमारी	श्री रमेश कुमार	सचिव	"	29	7	मीना कुमारी
3.	" पार्वती	श्री गोरी राम	"	"	40	5	पार्वती
4.	" तारी देवी	श्याम चंन्द	"	"	43	—	तारी
5.	" कृष्णा देवी	सुन्दर सिंह	"	"	36	—	कृष्णा
6.	" रीना	मस्त राम	"	"	28	+2	रीना
7.	" अनुराधा	रविन्द्र	"	"	18	+2	Anuradha
8	कृष्णा दे	दिले राम	"	"	44	—	कृष्णा
9	चिंता देवी	परमानन्द	"	"		—	चिंता

Sdhull
प्रधान कोषाध्यक्ष
वन विकास समिति डुहकी
जाईका प्रोजेक्ट मण्डी (हि.प्र.)

मीना कुमारी
प्रधान Sapna सचिव
नारी शक्ति S.H.C. डुहकी
डा. कमान्द, त. सदर मण्डी (हि.प्र.)

प्रधान Sapna सचिव मीना कुमारी
नारी इ. डुहकी
डा. कमान्द, ... (हि.प्र.)

समूह प्रधान के हस्ताक्षर

मीना कुमारी

समूह सचिव के हस्ताक्षर

Schavorlal

प्रधान कोषाध्यक्ष
वन विकास समिति डुहकी
जाईका प्रोजेक्ट मण्डी (हि.प्र.)

बीएफडीएस प्रधान के

नन्त राम

बीएफडीएस सचिव के हस्ताक्षर

वनरक्षक के हस्ताक्षर

खण्ड अधिकारी के हस्ता

वन परिक्षेत्र अधिकारी के हस्ताक्षर

डीएमयू द्वारा स्वीकृत